ओ३म्

कृण्वन्तोविश्वमार्यम्

आर्य्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का मुखपत्र – पाक्षिक

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजा पार्क, जयपुर

वर्ष : 92 अंक : 17
द्वि. ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी
विक्रम संवत् 2075
कलि संवत् 5119
5 जून 2018 से 21 जून 2018
दयानन्दाब्द : 194
सृष्टि संवत् : 01,96,08,53,119
मुख्य सम्पादक :
डॉ. सुधीर शर्मा – 9314032161
संपादक मंडल :
स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, सीकर
श्री ओम मुनि, ब्यावर
श्री विजयसिंह भाटी , जोधपुर
डॉ. बलवंत शास्त्री, बहरोड़, अलवर
डॉ. स्नेहलता शर्मा, राज. सस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
श्री हरिपाल शास्त्री , अलवर
श्री जगदीश आर्य, जखराणा, अलवर
श्री ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति, जयपुर
डॉ. संदीपन आर्य, जयपुर
श्री बृजेन्द्र देव आर्य्य , अलवर
श्री अनिल आर्य, जयपुर
प्रकाशक : आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
दूरभाष : 0141 – 2621879
प्रकाशन : दिनांक 5 एवं 21
पत्र व्यवहार का अस्थाई पता :
डॉ. सुधीर शर्मा सम्पादक, आर्य्य मार्तण्ड, 42, मुक्तानन्द नगर, गोपालपुरा बाईपास , जयपुर – 302018। मो. – 9314032161
मुद्रक : राज प्रिन्टर्स एण्ड एसोशिएट्स, जयपुर
ग्राफिक्स : प्रिण्टपैक, जयपुर ।
ई–मेल : aryamartand@gmail.com
arya.sabha1896@gmail.com
एक प्रति मूल्य : 5 रुपया
सहायता शुल्क : 100 रुपया
ऑनलाईन प्राप्ति :
www.thearyasamaj.org/aryamart

आर्य वीर दल के संभागीय शिविर का समापन

महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मृति भवन न्यास, जोधपुर में आर्यवीर दल, जोधपुर के संभागीय शिविर समापन के दिन प्रातःकालीन सत्र में आर्यवीर भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले हथियारों का रूबरू परिचय पाकर आर्य वीर रोमांचित हुए ।

सुबेदार मेजर रामेन्द्रसिंह नेगी के नेतृत्व में राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रशिक्षकों ने आर्यवीरों को एस. एल. आर. और इन्सास हथियारों से परिचय करवाया और उनकी मारक क्षमता, विशेषताओं आदि के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें खोलने, पुनः एसेम्बल करने, लोडिंग व अनलोडिंग करने, ब्रस्ट फायर, मेगजीन आदि के बारे में विस्तार से बताया ।

जोधपुर के संभागीय योग, व्यायाम प्रशिक्षण, चरित्र निमाण आयोजित एवं संस्कार शिविर का समापन संभागीय श्री इंटरप्राइजेज निर्देशक श्री प्रवीण गहलोत के मुख्य अतिथि के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। शिविर संचालक डॉ. महेश परिहार ने बताया कि श्री रामस्वरुप आर्य ने अध्यक्षता की एवं स्मृति न्यास के मंत्री आर्य किशन लाल गहलोत, कोषाध्यक्ष जयसिंह गहलोत, ब्रह्मप्रकाश आर्य व देवेन्द्र शास्त्री विशिष्ट अतिथि थे। सार्वदेशिक आर्य वीर दल के शिक्षको – श्री भागचन्द, दिनेश, जीवनलाल, घनश्याम ,जगदीश प्रसाद, कुलदीपसिंह, मंगलसिंह, अशोक आर्य के निर्देशन में आर्य वीरों ने मधुर संगीत की धुन पर मार्च फास्ट, सर्वांग सुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, योगासन, मल्लखंभ, लाठी, भाला, जुडो–कराटे सहित हैरत अंगेज प्रदर्शन किया।

श्री कमलकिशोर आर्य ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया शिविर संचालक डॉ. महेश परिहार ने स्वागत भाषण दिया ध्वजावतरण के साथ अंत में शिविर समापन की घोषणा की। मंच संचालन पं.शिवराम आर्य ने किया शिविर के सफल संचालन में न्यास पदाधिकारिगण व सदस्यों का सहयोग रहा वहीं सेवाराम आर्य,कैलाश चन्द्र आर्य,लक्ष्मण आर्य, नरपत भाभा, विक्रम सिह सांखला, हेमसिंह आर्य, पुनमाराम आर्य,ओमप्रकाश आसेरी,पदम सिंह चौधरी,नृसिंह सोलंकी,नरेन्द्र आर्य,चौथाराम,मुकेश व मदनलाल तंवर का विशेश योगदान सराहनीय रहा। सभी के लिये ऋषि लंगर की व्यवस्था की गई।

योहि मित्रेषु कालज्ञः सततं साधु वर्तते । तस्य राज्यं च कीर्तिश्च प्रतापश्चाभिवर्धते।। –वाल्मीकि रामायण – किष्किन्धाकाण्ड, सर्गः 23 ।।
अर्थात् समय को जानने वाला जो पुरुष अपने मित्रों के साथ उत्तम व्यवहार करता है उसका राज्य, यश और प्रताप उत्तरोत्तर बढ़ता है।

आर्य समाज मगरा पूँजला के चुनाव सम्पन्न दिनांक 20 मई को यज्ञ के पश्चात आर्य समाज मगरा पूँजला जोधपुर के चुनाव हेतु प्रकिया प्रारम्भ की गई। चुनाव प्रकिया विमल जी शास्त्री, चुनाव अधिकारी के अधीन की गई।

संरक्षक – श्री जयसिंह भाटी जी मंत्री – श्री प्रकाश सांखला जी

प्रधान – श्री सम्पत राज देवड़ा जी कोषाध्यक्ष – श्री हरीसिंह सांखला जी

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक 25 से 28 अक्टूबर 2018 । स्थान स्वर्ण जयन्ती पार्क, नई दिल्ली, भारत

अजमेर संभाग का शिविर सम्पन्न

परोपकारिणी सभा एवं आर्य वीर दल अजमेर के संयुक्त तत्वधान में आयोजित आठ दिवसीय युवक चरित्र निर्माण शिविर का व्यायाम प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुआ, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रान्तों से आये 160 आर्यवीरों ने भाग लेकर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं अपने अपने क्षेत्र में जाकर वैदिक संस्कृति एवं आर्यवीर दल के प्रकल्प को अनेक विद्यार्थियों तक पहुचाने का संकल्प लिया। आर्यवीर दल के जिला संचालक डॉ. विश्वास पारीक ने बताया कि आठ दिवसीय शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताऐं जैसे चित्रकला, बौद्धिक, शारीरिक, लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में जिला परिषद के सी. ई. ओ. श्री अरुण जी गर्ग ने आर्यवीरो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप निरन्तर ऐसे शिविरो में भाग लेकर स्वयं समाज और राष्ट्र की उन्नति में सहायक हो सकेगें। शिविर समापन में परोपकारिणी सभा के मंत्री श्री ओममुनि जी, कोषाध्यक्ष श्री सुभाष नवाल जी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कः कालः कानि मित्राणि कः देशः को व्ययागमोः । कस्याहं का च मे शक्तिरिति चिन्त्यं मुहुर्मुहुः ।। – अर्थात् कैसा समय है, कौन सा देश है, कौन मेरे मित्र हैं? मेरी आय–व्यय क्या है? मैं किसकी ओर हूँ और मेरी क्या शक्ति है! इसे बार–बार सोचना चाहिए।

विकासवाद का वैदिक सिद्धान्त

गतांक से आगे...

यहाँ कोई यह प्रश्न करे कि पृथिवी रूपी गर्भ में पच्चीस वर्ष तक युवा कैसे पलता और बढ़ता रहा? तो इस पर गम्भीरता से विचारें, तो कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होती क्योंकि जिस प्रकार आज भी एक बालक, जो लगभग 9 मास माता के गर्भ में रहता है। प्रसव के पूर्व न श्वांस लेता है, न रोता है, न हंसता है, न हाथ–पैर फेंकता है, न खाता, पीता, मल–मूत्रादि विसर्जित करता है, उसमें प्रसव के तुरन्त बाद सभी क्रियायें तुरन्त प्रारम्भ हो जाती है। तब यह क्या अद्‌भुत बात नहीं है, आश्चर्यजनक नहीं है? यदि किसी व्यक्ति को इस सबसे दूर रखा जाये और इस प्रसव प्रक्रिया से नितान्त अनभिज्ञ होवे, तब वह इस प्रसव प्रक्रिया को सम्भव नहीं मानेगा। यदि उसने अण्डजों की ही उत्पत्ति देखी हो, तो वह जरायुजों की प्रसव प्रक्रिया को अण्डजों से भिन्न मानने को तैयार नहीं होगा। इसलिए युवावस्था में प्राणियों की उत्पत्ति असम्भव नहीं है, हाँ, अद्‌भुत अवश्य है। फिर इतनी सृष्टि प्रक्रिया की जटिलता, क्रमबद्धता, वैज्ञानिकता क्या अद्‌भुत नहीं है? तब युवावस्था में प्राणी उत्पत्ति कहाँ विचित्र रह जाती है?

यह भी जानना आवश्यक है कि जिस प्रकार रासायनिक अभिक्रियाओं से भूमि रूपी माता के अन्दर प्राणियों की उत्पत्ति होकर सभी जुरायुज, अण्डज तथा स्वेदज एक ही प्रकार से भूमि की परतों में उद्‌भिजों की भॉति युवावस्था में पैदा हुए, उसी प्रकार रासायनिक अभिक्रियाओं से विभिन्न वनस्पतियों के बीज भूमि की परतों में बनकर तथा आवश्यक पोषक पदार्थ पृथिवी पर ही मिल जाने से यत्र–तत्र पौधे, वनस्पति वा विशालकाय वृक्ष पूर्व में ही उत्पन्न हो गये थे। जिस प्रकार कोई प्राणी उत्पन्न होता है, उसका भोजन उसे तत्काल भूमि पर तैयार मिलता है। मनु यों के अनेकों नर–नारी जोड़े युवावस्था में भूमि पर प्रकट हुए, उस समय उसे पृथिवी फल, फूल व अन्न आदि से परिपूर्ण मिली और वे भूमि से निकल कर तत्काल ही फलादि उसी प्रकार खाने को प्रवृत्त हुए, जिस प्रकार आज बालक (मनुष्य व गाय आदि पशु का) पैदा होते ही माता का दुग्धपान करने लगता है। इसमें कहीं कोई सन्देह व आशंका को अवकाश नहीं है।

यह मैंने संक्षेप में मनु य की उत्पत्ति के विषय में लिखा। मुझे बड़ा आश्चर्य है कि चार्ल्स डार्विन के पश्चात् उनके पुत्रों सहित अनेकों यूरोपियन वैज्ञानिकों ने भी इस मिथ्या विकासवाद का खण्डन किया परन्तु पाश्चात्य के दास बने कथित प्रबुद्धों के मस्तिष्क में अभी चार्ल्स डार्विन का भूत बैठा हुआ है।

अब मैं संक्षेप में पं. रघुनन्दन शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'वैदिक सम्पत्ति' से कुछ वैज्ञानिकों के विचारों को भी उद्‌धृत करना चाहता हूँ–

सर ओलिवर लॉज लिखते हैं–

We are in the process of evolution; we have arrived in this planet by evolution. That is all right. What is evolution? Unfolding development-unfolding as a bud unfolds into a flower, as an acron into an oak. Every thing is subject to a process of growth, of development, of unfolding.

अर्थात् हम लोग विकास के ही प्रबन्धाधीन हैं। हम लोग विकास द्वारा ही इस पृथिवी ग्रह पर पहुंचे हैं। यह सब सत्य है, किन्तु विकास क्या है? विकास अबाधित उन्नति है। अबाधित अर्थात् कली से फूल हो जाने का नियम–बीज से वृक्ष हो जाने का मार्ग। प्रत्येक पदार्थ कली से फूल की भांति अबाधित उन्नति का ही फल है। (Science and Religion, p.16.) (वै. सम्पत्ति पृ.150)

There is manifest progress in the succession of being on the surface of the earth. This progress consists in an increasing similarity of the living fauna, and among the vertebrates especially, in their increasing resemblance to man ……. But this connection is not the consequence of a direct linkage between the fauna of different ages. There is nothing like parental descent connecting them. The fishes of the Palaeozoik age are in no respect the ancestors of the reptiles of the secondary age, nor does man descend from the mammals which preceded him in the Tertiary age. The link by which they are connected is of a higher and immaterial nature and Himself, whose aim in forming the earth, in allowing it to undergo successively all the different types of animals which have passed away, was to introduce man upon the surface of our globe. Man is the end towards which all the animal-creation has tended from the first appearance of the Palaeozoic fishes.

अर्थात् पृथिवी पर उत्पन्न होने वाले, बिना हड्‌डी के जन्तुओं और मनु यादि हड्‌डीदार प्राणियों में एक समान ही उन्नति देखी जाती है, परन्तु इस समानता का यह तात्पर्य नहीं है कि एक प्रकार के प्राणी दूसरे प्रकार के प्राणियों से ही विकसित हुए हों। आदिम कालीन मत्स्य ही, सर्पणशील प्राणियों के पूर्वज नहीं हैं और न मनु य ही अन्य स्तनधारियों से विकसित हुआ है। प्राणियों की श्रृंखला किसी अभौतिक तत्व से सम्बन्ध रखती है, जिसने पृथिवी पर अनेक प्रकार के प्राणियों की सृष्टि करके अन्त में मनु य की रचना की है। - Principles of Zoology, Pg. 205-206 by Agassiz (वै. सम्पत्ति पृ. 150.151)

How did living creatures begin to be upon the earth? In point of science, we do not know. अर्थात् विज्ञान के द्वारा हम नहीं जानते कि पृथिवी पर जीवधारी प्राणियों की सृष्टि कैसे हुई। -Introduction to Science, Pg. 142 by J.A. Thomson (oS-सम्पत्ति पृ.152)

चितौडगढ़ के गांधी नगर स्थित महेश वाटिका में लगेगा पूर्ण आवासीय शिविर

दिनांक 9 से 15 जून 2018 तक

सार्वदेशिक आर्य वीर दल राजस्थान, भारत स्वाभिमान व युवा भारत का संयुक्त आयोजन

निम्बाहेड़ा 2 जून 2018, शनिवार

चितौडगढ़ के गांधी नगर स्थित महेश वाटिका में 18 से 35 वर्श तक के 500 युवाओं का विशाल चरित्र निर्माण एवं संस्कार शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर संयोजक व भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी डॉ एम.एल.धाकड़ के अनुसार 7 दिवसीय पूर्ण आवासीय शिविर में युवाओं में आत्म रक्षा, स्वास्थ रक्षा,आध्यात्मिक उन्नति व राष्ट्र चेतना जागृत करने के उद्देश्य से 9 से 15 जून तक किया जायेगा।

शिविर व्यवस्थापक व निम्बाहेड़ा आर्य समाज प्रधान विक्रम आंजना के अनुसार शिविर में पूरे राजस्थान सहित,मध्यप्रदेश आदि से शिविरार्थी भाग लेगें। शिविर में शिविरार्थियों को प्रातः चार बजे से 9.30 बजे तक कठोर दिनचर्या का पालन करेगें। शिविर में सैनिक शिक्षा,यज्ञ,नियुद्ध,लाठी,स्तम्भ निर्माण व आत्म अभिव्यक्ति के साथ साथ पर्यावरण रक्षा,विशमुक्त कृशि,गौ रक्षा, राश्ट्र के प्रति युवाओं के कृर्तव्य, व्यसन व संस्कार आदि विषयों पर विद्वानों की वार्ताओं का आयोजन भी किया जायेगा। व इसका प्रदर्शन शहर में किया जायेगा। शिविर के सफल आयोजन के लिए पतंजलि हरिद्वार व नगर की कई नागरिक संस्थाओं से सहयोग लेने के लिए सम्पर्क किया जा रहा है। तथा युवाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य राजस्थान आर्यवीर दल की ओर से किया जायेगा। इस शिविर में करीब 150 स्वयं सेवको का दल अपनी सेवा देगा। शिविर के प्रचार हेतु चितौडगढ़ व प्रतापगढ़ से आचार्य कर्मवीर मेधार्थी व देवेन्द्र आर्य के नैतृत्व में शिवलाल आंजना,राधे याम धाकड,गौरव सोमानी,विशाल साबू,तरुण दास बैरागी,राधे याम साहू ,मोहन लाल आर्यपुश्प,कमल आर्य,गणपत लाल आर्य, ईश्वरलाल नायक,सुरेश भार्मा,शिवलाल कारुलाल रंगीला, नंदलाल धाकड,सत्यनारायण चंपावत,धनराज भार्मा ,रोड़ीलाल , रामप्रसाद धाकड, शिवनारायण धाकड,किशोर धाकड,,विमल जेतावत,खुमानसिह भाक्तावत,रमेश पुश्करणा, शंकरसिंह भाक्तावत,भूपेन्द्र आचार्य, अरविन्द कुमावत ,प्रकाश धाकड, रामलाल पाटीदार नंदकिशोर धाकड आदि कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हुए है।

सर्वद्वारेषु देहेऽस्मिन्प्रकाश उपजायते। ज्ञानं यदा तदा विद्याद्विवृद्धं सत्त्वमित्युत ।। गीता – 14/11।।

सत्त्वगुण की अभिव्यक्ति को तभी अनुभव किया जा सकता है, जब शरीर के सारे द्वार ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं।

१२ , १३, १४ मई का ग्राम दुधवास, जिला खंडवा(मध्य प्रदेश) में हुआ त्रिदिवसीय प्रचार। नवीनआर्यसमाज की हुई स्थापना। आर्यसमाज मंदिर निर्माणार्थ आधा एकड़ भूमि का मिला दान।

आर्य जगत के प्रसिद्ध साधक संन्यासी स्वामी अमृतानंद जी महाराज की जन्म भूमि नर्मदा नदी के पावन तट पर ग्राम दुधवास जिला खंडवा (मध्य प्रदेश) है लगभग १५ वर्ष पूर्व वेद प्रचार रथ यात्रा के समय एक छोटा सा आर्य समाज सत्संग हुआ था। उसके उपरांत अनेक वर्षो का व्यवधान हुआ पर वैदिक सत्संग न हो सका। श्री कैलाश पालीवाल जी व कुछ धार्मिक जनों ने मिलकर एक वेदकथा सत्संग का आयोजन करवाया जो अत्यधिक सफल रहा। त्रिदिवसीय प्रोग्राम में प्रथम दिवस पूरे ग्राम में शोभा यात्रा निकली गई। और पञ्च कुण्डीय यज्ञ का आयोजन किया। गर्मी की अधिकता होने के बाद भी सत्संग पंडाल में सैकड़ो माताओ बहनों भाईयो की उपस्थिति देखी गई। बजट कम होने से स्थानीय पौराणिक भजन गायक मंडली का आश्रय लिया। वे लोग अपनी पूरी मंडली के साथ एक सवा घंटा भजन गाते थे। स्वामी अमृतानंद जी महाराज जी ने भी साधना के सूत्र दिय। ऋषि उद्यान के ब्रहमचारी सत्यवीर (सत्येन्द्र) जी प्रातः ५.३० से ६.३० तक योग प्राणायाम की कक्षा लेते थे। ऋषि उद्यान गुरुकुल के ब्र. निरंजन जी उड़ीसा वालेव ब्र. सत्येन्द्र जी दोनों ने भी सुन्दर उपदेश सभी सत्रों में दिये। स्वामी अमृतानंद जी के ज्येष्ठ पुत्र लातूर महाराष्ट्र के संस्कृत के डॉ. अखिलेश शर्मा जी ने भी अंतिम दिन न केवल सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज की अपितु प्रेरणास्पद व्याख्यान भी दिया। प्रति सत्र में आचार्यआनंद पुरुषार्थी जी लगभग १ घंटे तक वेदोपदेश करते थे। जिनमे उपनिषद व वेदो के उद्धरण लेकर अनेक सिद्धांतो की चर्चा होती थी। एक दिन अवसर देखकर पुरुषार्थी जी ने आर्यसमाज मंदिर बनाने के लिए भूमि के दान का सभी से आग्रह किया। भगवान की कृपा हुई देव प्रेरणा से एक कृषक सज्जन श्री रामलाल यादव आगे आये और आधा एकड़ भूमि दान देने की घोषणा कर दी। स्थानीय भारतीय जनता पार्टी के विधायक देवेन्द्र वर्मा जी ने भी एक दिन दोपहर की सभा में आकर सहयोग का आश्वासन दिया। १४ मई सोमवार को प्रातः आचार्यप्रवर पुरुषार्थी जी ने आर्यसमाज की कार्यकारिणी का गठन कर दिया और पूर्व सरपंच श्री हीरालाल जी को अध्यक्ष, श्री कैलाश पालीवाल जी को मंत्री और जी को कोषाध्यक्ष श्री पंढरी यादव जी को मनोनीत कर दिया इसके साथ ही लगभग ३० –३२ भद्र पुरुषो व बहनों को भी इस संगठन से जोड़ दिया। सभी को आर्यसमाज व वैदिक धर्म के सिद्धांतो को तन मन धन से स्व जीवन, परिवार व ग्राम में उतारने व वर्धन का संकल्प दिलवाया। आर्यसमाज का रविवासरीय सत्संग हर सप्ताह करने और प्रतिवर्ष ऐसा ही बृहत्स सत्संग करवाते रहने का आग्रह किया जो सभी ने स्वीकार किया। आर्यसमाज की नई कार्यकारिणी के पंजीकरण के बाद जमीन का बेनामा करवाने का कार्य हम सभी अधिकारियो को करवाना है जिसके लिए प्रांतीय सभा के अधिकारियों से चर्चा की गई है। सभी अतिथियों के रुकने व भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था हीरालाल जी के निवास स्थान में की गई थी।

कैलाश पालीवाल
मंत्री, आर्यसमाज दुधवास,
जिला खंडवा (मध्य प्रदेश)

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान कार्यालय सूचना

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निर्देशानुसार निवेदन है कि आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की अन्तरंग एवं साधारण सभा का अधिवेशन आगामी दिनांक 10.06.2018 को प्रातः 09:00 से 12:00 बजे तक सभा भवन राजापार्क, जयपुर में रखा गया है। समस्त आर्य समाजो के पदाधिकारियों से निवेदन है कि आप अपने आर्य समाज के साधारण सभा के प्रतिनिधियों को उक्त अधिवेशन की सूचना से अवगत करवाकर अनुगृहीत करें। समस्त साधारण एवं अन्तरंग सभा के प्रतिनिधियों / सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है।

मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

इन्द्रियाणां विचरतां, विषयेष्वपहारिषु । संयमे यत्नमातिष्ठेद्, विद्वान् यन्तेव वाजिनम् ।। – मनु. 2.88 ।।

अर्थात् विद्वान् मनुष्य, अपनी ओर आकर्षित करने वाले विषयों में विचरने वाली इन्द्रियों को नियन्त्रित करने में उसी प्रकार प्रयत्न करें, जैसे सारथी घोड़ों के नियन्त्रण में यत्न करता है।

आर्य समाज प्रतिनिधि मण्डल ने की जिला कलेक्टर कोटा से शिष्टाचार भेंट

आर्य समाज ने जिला कलेक्टर को किया सत्यार्थ प्रकाश भेंट
कोटा में आत्मा ले जाने के नाम पर पाखण्ड पर रोक लगे–आर्य समाज

कोटा, 22 मई। आर्य समाज जिला सभा कोटा के प्रतिनिधियों ने कोटा के नये जिला कलेक्टर श्री गौरव गोयल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्हें आर्य समाज द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा के नेतृत्व में वैदिक विद्वान आचार्य अग्निमित्र शास्त्री, डीएवी की प्राचार्य श्रीमती सरिता रंजन गौतम, पं. रामदेव शर्मा, डीएवी के धर्म शिक्षक शोभाराम आर्य, महावीर नगर के प्रधान आर.सी. आर्य, मंत्री राधावल्लभ राठौर, आर्य समाज तलवण्डी के पूर्व मंत्री लालचंद आर्य, वेदमित्र वैदिक, किशन आर्य, आर्य समाज रामपुरा के एडवोकेट चंद्रमोहन कुशवाह, आर्य समाज खेडा रसुलपुर के प्रधान रामनारायण कुशवाह, मंत्री बंशीलाल रेनवाल, राज्य कर्मचारी नेता हंसा त्यागी ने कलेक्टर परिसर में उनके कार्यालय जाकर मुलाकात की। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने वेद मंत्रोच्चार पूर्वक केसरिया पटका पहनाकर कलेक्टर महोदय का अभिनन्दन किया साथ ही गायत्री मंत्र लिखित स्मृति चिन्ह भेंट किया। डीएवी स्कूल की प्राचार्या सरिता रंजन गौतम ने फूलों का गुलस्ता भेंट कर स्वागत किया।

शिष्टाचार भेंट के इस अवसर पर आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने जिला कलेक्टर महोदय को महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा लिखित अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश भेंट किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र के निर्माण में आर्य समाज जो कार्य कर रहा है वो सराहनीय है। अजमेर मे रहते हुए ऋषि उद्यान के माध्यम से आर्य समाज के बारे में विस्तार पूर्वक जानने का अवसर मिला। आर्य समाज के सिद्धांत सभी के लिए ग्राह्य है।

शिष्टाचार भेंट के इस अवसर पर जिला सभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास एवं पाखण्ड को खत्म करने के लिए कोटा की आर्य समाज अनेक कार्य कर रही है।

चड्ढा ने जिला कलेक्टर महोदय को बताया कि कोटा में एमबीएस, जे.के. लॉन हॉस्पिटल एवं न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में बूंदी क्षेत्र एवं भीलवाडा क्षेत्र के कुछ लोग यहां आत्मा लेने आते हैं और पूरा नाटक करके नारियल, अगरबत्ती, फूल चढाकर आत्मा को बोतल में बंद कर लेने का पाखण्ड कर अंधविश्वास फैलाते हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए।कलेक्टर गोरव गोयल ने आर्य प्रतिनिधियों को कहा कि आप हमें लिखकर दें, मैं इस प्रकार के पाखण्ड को रोकने के आदेश जारी कर दूंगा।

आर्य समाज, सुमेरपुर, जिला पाली चुनाव सम्पन्न

दिनांक 13/05/2018 रविवार को आर्य समाज सुमेरपुर, जिला पाली राजस्थान के सर्व सम्मति से निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमें निम्न पदाधिकारी चुने गये– संरक्षक–श्री गणेशमल विश्वकर्मा जी ,मंत्री–श्री गुलाब सिंह राजपुरोहित जी, कोषाध्यक्ष –श्री नटवर लाल सागर जी, प्रधान – श्री अचल चन्द रावत जी

आर्यवीर दल का भरतपुर संभागीय शिविर सम्पन्न

सार्वदेशिक आर्यवीर दल गंगापुर शाखा के तत्वावधान में जीवन निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का रविवार दिनांक 27/05/2018 को समापन किया गया। गौरतलब है कि गत 14 मई से अग्रसेन रिर्सोट में शिविर आयोजन किया गया था शिविर में नियमित आर्य वीरों को जूडो, कराटे, काते, भाला, तलवार, लाठी एवं क्षेत्रीय खेल कबड्डी आदि खेलों के साथ साथ आत्म रक्षा के गुरों के साथ बौद्धिक प्रशिक्षण प्रधान शिक्षक जीवन लाल आर्य और सहायक शिक्षक दिनेश आर्य, व आचार्य सोमदेव शास्त्री द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सार्वदेशिक आर्य वीर दल के संभाग प्रभारी रामबाबू आर्य, कार्यक्रम अध्यक्ष मदनमोहन गुप्ता प्रधान एवं अभिषेक बंसल नगर संचालक आर्य वीर दल गंगापुर सिटी आदि मौजूद रहे।

मलारना चौड़ सवाई माधोपुर में ऋग्वेद पारायण यज्ञ सम्पन्न

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 18 मई 2018 पाँच दिवसीय यज्ञ श्री संत आत्मानन्द सर्वोदय सन्यासी के तत्वावधान में ऋग्वेद परायण महायज्ञ करवाया गया जिसमें 18 मई को शोभा यात्रा में ग्रामीण, शहरी व सरकारी कार्मियों व बालक तथा बालिकाओं ने ओजस्वी जयघोष व वैदिक भजनों द्वारा ऋषि देव दयानन्द के वेदो की ओर लौटो उदघोष को साकार रुप देने में स्वामी आत्मानन्द जी का अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित है। ऋषि उद्यान अजमेर से यज्ञ के ब्रह्म आचार्य सोमदेव व रामकुमारी शास्त्री व मीणा शास्त्री द्वारा किया गया।

छोटी सादड़ी में वैदिक यज्ञोपवित्र संस्कार सम्पन्न

औंकार माध्मिक विद्यालय (दयानन्द वाटिका) में 27 मई 2018 को 13 आर्य वीरो का डॉ. वृद्धिशंकर उपाध्याय के ब्रह्मत्व में वैदिक यज्ञोपवित्र संस्कार संम्पन्न हुआ, इस अवसर पर आर्य समाज निम्बाहेड़ा के प्रधान विक्रम आंजना ने आर्य वीरों को नियमित दिनचर्या के पवित्र आचरण रखने का आव्हान किया, मोहनलाल आर्य पुष्प ने आर्य संस्कृति के प्रतिष्ठ शिक्षा और सुख का महत्व बताया। पं. काशीराम शर्मा नें यज्ञोपवित्र की महिमा का भजन प्रस्तुत किया।

विद्यालय के मंत्री श्री सुरेश गुजराती व प्राधानाध्यापक श्री शंकर सिंह ने आधिकारिक नामांकन कराने के लिए प्ररित किया। शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समृत आर्य, आशाराम आर्य, रतनसिंह , करण पहलवान, अर्जुन पहलवान, हीरालाल सुथार, चान्दमल, अजय शर्मा, तुषार शर्मा अनेक आर्यजन उपस्थित थे।

आर्य वीर दल की कार्यशाला सम्पन्न

आर्य समाज की युवा इकाई सार्वदेशिक आर्य वीर दल राजस्थान के द्वारा आर्य समाज की गतिविधियों और युवाओं को कैसे आर्य समाज से जोड़ने के लिए उनके शारीरिक आत्मिक एवं चरित्र निर्माण के लिए जो आबू पर्वत गुरुकुल में कार्यशाला सम्पन्न उसका समापन हुआ सफलता के साथ। चार दिवसीय इस कार्यशाला में अनेक विद्वानों के द्वारा रखे गये गुजरात से श्री कमलेश चोकसे उत्तर प्रदेश से आचार्य रामप्रकाश वर्णी, स्वामी धर्मानन्द जी आचार्य ओमप्रकाश जी आचार्य जी आदि ने आर्य समाज को बढ़ाने और युवा शक्ति को आर्य वीर दल के शिविरों के माध्यम से आर्य समाज को जोड़ने पर विशेष विचार रखे गये। इस कार्यशाला में 15 जिलों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

- **परमात्मा की बनायी हुई इस सृष्टि में अभिमानी, अन्यायकारी, अविद्वान लोगों का राज्य बहुत दिन तक नहीं चलता ।**

– सत्यार्थ प्रकाश, एकादश समुल्लास

डाक पंजियन सं. RJ / JPC / 232 / 2017-2019 / आर. एन. आई नं.10471/60

कार्यालय सूचना एवं निर्देश

- समस्त आर्य समाज अपने भवन पर ओ३म् ध्वाज अनिवार्य रूप से फहरायें एवं मुख्य प्रवेश द्वार एवं भवनों के द्वार पर ''आर्य समाज/आर्य समाज मन्दिर'' इस प्रकार अवश्य अंकित करवायें। यथा समय आर्य समाज भवन, मुख्य द्वार, परिसर की बाउण्ड्री वॉल की मरम्मत, कलर पेन्ट आदि करवायें। आर्य समाज की सम्पत्तियों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व सम्बन्धित आर्य समाज के पदाधिकारियों का है। आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा कभी भी आर्य समाज का निरीक्षण किया जा सकता है। कृपया अवगत रहें।
- आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान का मुखपत्र ''आर्य मार्तण्ड'' का प्रत्येक अंक नवम्बर–द्वितीय अंक से पीडीएफ फॉरमेट में भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस फॉर्मेट में प्राप्त करने के लिए अपना ईमेल पता, नाम एवं सम्पर्क सूत्र aryamartand@gmail.com पर भेजें। वाट्स एप्प पर ''सत्यार्थ प्रकाश क्रान्ति, आर्य वीर राज. सूचना, आर्य वीर दल के अन्य सभी ग्रुप्स में नियमित रूप से उपलब्ध करवाया जा रहा है ।
- आर्य समाजों में होने वाली समस्त गतिविधियाँ ऋषि दयानन्द सरस्वती के मन्तव्यों एवं वैदिक सिद्धान्तों के अनुसार ही संचालित की जावें। उक्त प्रयोजनार्थ ही आर्य समाज संस्थाएँ अपने परिसर एवं भवन अन्य सम्बन्धित संस्थाओं को नियमानुसार उपलब्ध करवा सकती हैं। महर्षि दयानंद के सिद्धान्तों के प्रतिकूल उद्देश्यों वाली संस्थाओं एवं संगठनों आदि के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा एतदर्थ स्वीकृति नहीं है। साथ ही समस्त आर्य समाजों के पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे आर्य समाज के भवन अथवा परिसर को व्यवसाय की दृष्टि से किराये पर देने से पूर्व सभा से लिखित में स्वीकृति अनिवार्यतः प्राप्त करें। इस सम्बन्ध में यह भी संसूचनीय है कि आर्य समाज के पदाधिकारियों को समाज के भवन, दुकान, जमीन अथवा किसी भी प्रकार की परिसम्पत्तियों को विक्रय करने का अधिकार नहीं है।

आतिथ्य –आहुति

आर्य प्रतिनिधि सभा, राजस्थान द्वारा जयपुर में कार्यालय परिसर में निरन्तर आने वाले अतिथियों के लिए अस्थायी आवास एवं भोजन हेतु संचालित आतिथ्य–यज्ञ में अपनी बहुमूल्य आहुति देकर इस पवित्र यज्ञ को सुचारू रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सभी आहुतिदाताओं का बहुत–बहुत आभार ।

अन्य जो भी इस व्यवस्था के सफल संचालन में अपनी आहुति भेंट करने के इच्छुक हों वे 9352547258 पर सम्पर्क कर सकते हैं। जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, स्मृति, विवाह आदि अवसरों पर आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा संचालित इस अतिथि यज्ञ में अपनी आहुति अर्पित पुण्यभागी बनें।

आगामी कार्यक्रम

1. 28वाँ आर्य महासम्मेलन अटलांटा (अमेरिका) : 19 से 22 जुलाई 2018
2. इस वर्ष भारत की राजधानी नई दिल्ली में होगा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – 2018 दिल्ली 25–26–27–28 अक्तूबर, 2018

आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजा पार्क जयपुर के लिये राज प्रिन्टर्स एसोसियेट्स बेसमेंट, 45, परनामी मन्दिर जयपुर द्वारा मुद्रित।
मु. सम्पादक एवं प्रकाशक डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, मंत्री–आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान।

टिकट

प्रेषक:-
सम्पादक, आर्य्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

यूको बैंक **A/c No.:18830100010430** तिलक नगर, जयपुर
IFSC - UCBA 0001883

प्रेषित

विशेष – आर्य्य मार्तण्ड में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। उनमें सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।